

हमशक्ली स्त्री. (तत्.) रूप की समानता, एक-जैसा होना, समरूपता, रूप-सादृश्य।

हमशीरा स्त्री. (फा.) [हम+शीर] 1. सगी बहन 2. सहोदरा, सहपंथी।

हमसफर वि. (फा.+अर.) यात्रा का साथी।

हमसबक वि. (फा.) एक साथ पढ़ने वाले/ सहपाठी।

हमसफरी वि. (फा.+अर.) यात्रा का साथ।

हमसर वि. (फा.) बराबर, समान।

हमसरी स्त्री. (फा.) 1. समानता का भाव या स्थिति 2. बराबरी।

हमसाया पुं. (फा.) पड़ोसी, प्रतिवेशी।

हमसिन वि. (फा.+अर.) बराबरी की उम्रवाला, समवयस्क।

हमसूरत वि. (फा.+अर.) हमशक्ल, समान रूप वाले, समरूप।

हमाम- पुं. (अर.हम्माम) स्नानागार, गुसलखाना।

हमायल स्त्री. (अर.हमाइल) 1. गले में डालने का परतला 2. छोटे आकार का कुरान जिसे गले में डाला जा सके।

हमी सर्व. (देश.) हम ही, केवल हम।

हमीर पुं. (तत्.) संपूर्ण जाति का एक संकर राग जो शंकराभर और मारु के मेल से बना है।

हमें सर्व. (देश.) 'हम' का कर्म और संप्रदान कारक का रूप 'हमको'।

हमेल स्त्री. (देश.) गहना, गले में धारण किए जाने वाला स्वर्ण आभूषण।

हम्माम पुं. (अर.) स्नान करने का कक्ष, स्नानागार।

हम्मीर नट पुं. (तत्.) एक संकर राग जो नट और हम्मीर के मेल से बना है।

हयंद पुं. (तद्.) बड़ा या अच्छा घोड़ा।

हय पुं. (तत्.) घोड़ा, अश्व, इंद्र, एक प्रकार का छंद जिसके प्रत्येक चरण में चार मात्राएँ होती हैं।

हयग्रीव पुं. (तत्.) 1. विष्णु के चौबीस अवतारों में से एक 2. बौद्ध तांत्रिकों के एक देवता 3. एक

दैत्य जिसका बध विष्णु ने 'हयग्रीव' अवतार लेकर किया था वि. जिसकी गरदन घोड़े की गरदन की तरह हो।

हयग्रीवा स्त्री. (तत्.) दुर्गा।

हयन पुं. (तत्.) 1. वर्ष, साल 2. पालकी।

हयनाल पुं. (तत्.) वह तोप जिसे घोड़े खींचते हैं।

हयमुख पुं. (तत्.) एक कल्पित देश जिसके संबंध में प्रसिद्ध है कि वहाँ घोड़े के से मुख वाले आदमी बसते हैं 2. और्व ऋषि का क्रोध रूपी तेज जो समुद्र में स्थित होकर बड़वानल कहलाता है।

हयमेध पुं. (तत्.) अश्वमेध।

हयलास पुं. (तत्.) घोड़ा नचाने वाला, घुड़सवार।

हयविद्या स्त्री. (तत्.) घोड़ों को परखने, पालने और सिखाने की विद्या।

हयशाला स्त्री. (तत्.) अश्वशाला, घुड़साल, अस्तबल।

हयशास्त्र पुं. (तत्.) हयविद्या, घोड़ों संबंधी विद्या।

हयशिर पुं. (तत्.) 1. एक प्राचीन ऋषि 2. एक प्रकार का दिव्यास्त्र।

हयशीर्ष वि. (तत्.) घोड़े के सिर वाला, विष्णु का एक अवतार।

हयांग पुं. (तत्.) धुन-राशि।

हया स्त्री. (अर.) अनैतिक या अनुचित काम करने से रोकने वाली लज्जा, शर्म।

हयात स्त्री. (अर.) 1. स्वर्ग 2. जीवन, जिंदगी।

हयादार वि. (अर.+फा.) हया-वाला, लज्जशील।

हयादारी स्त्री. (अर.+फा.) हयादार होने की अवस्था/भाव।

हयाध्यक्ष पुं. (तत्.) घुड़साल का प्रधान अधिकारी और घोड़ों का निरीक्षक, अश्वाध्यक्ष।

हयानन पुं. (तत्.) हयग्रीव।

हयानना स्त्री. (तत्.) एक योगिनी।

हयायुर्वेद पुं. (तत्.) 1. घोड़ों की चिकित्सा का शास्त्र 2. घोड़ों की चिकित्सा पर एक शास्त्र प्रणेता -शालिहोत्र